DR. SHAMBHU KUMAR RAM
Deptt. of History
B. A. Part — I
Paper — II (Hons)
Shambhu.bhibu@gmail.Com
8294392191

वालपोल की गृहनीति — I

सन 1714 में हेनोवर वंश का प्रथम राजा जार्ज प्रथम इंगलैंड की गद्दी पर बैठा। उसके शासन काल में दक्षिणी समुद्र - कंपनी संबंधी घटना घटी जिससे वालपोल की भाग्य चमक उठी। सन 1721 ई. में उसे प्रधानमंत्री बना दिया गया। वह इस पद पर 21 वर्षों रहा। वह बहुत मेहनती कुशल प्रशासक, धैर्यशील, मिलनसार एवं मस्त स्वभाव का व्यक्ति था। वह खेल-तमाशे और शिकार का भी प्रेमी थी। इसलिए सर्वप्रथम शिकार संबंधी डाक को ही खोलकर पढ़ा करता था। चिन्ता उसे जरा भी नहीं सताती थी। उसका कथन है कि "मैं अपने कपड़ो के साथ ही सारी चिंताओं को उतार कर फेंक दिया है"। वह एक सफल - राजनीतिज्ञ और पक्का प्रशासक था। उसकी घरेलु गृह नीति इस प्रकार है! —

(i) वैधानिक शासन का पक्षपाती! — वालपोल की गृह नीति बहुत अच्छी थी। उसने अपनी नीति से इंगलैंड की प्रतिष्ठा में चार चाँद लगा दिया था। देश धन धान्य से परिपूर्ण हो गया था। वह संवैधानिक शासन का कट्टर समर्थक था। अतः वह इसको सुदृढ़ करने के लिए अपनी पुरी ताकत लगा दी। वह पक्का ह्विग था और पार्लियामेंट में ह्विगों का बहुमत भी था।